y usage of condom and how you are going to implement the same.

MR. CHAIRMAN: You have not said about Tamil Nadu. He is asking about Tamil Nadu.

KUMARI SAROJ KHAPARDE: It is known to the Government and we have given instructions relating to that to various States.

MR. CHAIRMAN: Next question.

SHRI ALADI ARUNA *alias* V. ARUNACHALAM: Sir, the Health Department has detected more cases of AIDS in Tamil Nadu, but that does not mean that this disease is there only in Tamil Nadu. The fact is that other States have totally failed to detect this disease. Our Government has done its best to detect these cases because we are having the best health facilities.

THE MINISTER OF HEALTH AND FAMILY WELFARE AND THE MINISTER OF CIVIL AVIATION (SHRI MOTI LAL VORA): Sir, I am giving the answer. The first evidence of AIDS infection in the country came from Tamil Nadu in the month of April-May, 1986, when six women prostitutes were found positive for AIDS infection confirmed by Western Block Test and soon AIDS control activities were strengthened. So my friend should not be afraid because I am giving the information to him.

*24. [*The questioner (Shri Rajni Ranjan Sahu) was absent. For answer*, vide col....*infra.*]

Helicopter services to Badrinath and Kedarnath

*25. SHRI RAM CHANDRA VIKAL:†
SHRIMATI VEENA VERMA:

Will the Minister of CIVIL AVIATION be pleased to refer to the reply to Starred Question 373 given in the Rajya Sabha on the 2nd December, 1987 and state:

(a) whether Government propose to start helicopters services for Badrinath and Kedarnath shrines for the pilgrims; and

(b) if so, by when?

THE MINISTER OF HEALTH AND FAMILY WELFARE AND THE MINISTER OF CIVIL AVIATION (SHRI MOTI LAL VORA): (a) and (b) Helicopter services to Badrinath and Kedarnath Shrines, with the present fleet of Dauphin and Westland helicopters in Pawan Hans, are not considered viable.

श्री रामचन्द्र विकल : सभापति महोदय, मंत्री जी ने कहा कि असंभव है वहां पर बद्रीनाथ केदारनाथ तीर्थ-स्थानों पर हेलीकाप्टर का पहुंचाना । मैं यह जानना चाहता हूं कि हेलीकोप्टर जब छतों पर उतारे जा सकते हैं, पहाड़ में ले जाये जा सकते हैं तो बद्रीनाथ-केदारनाथ ले जाने में क्या दिक्कत है, क्या कठिनाई है ? क्यों वहां के लिए हेलीकोप्टरों की व्यवस्था नहीं की जा सकती ?

श्री मोती लाल वोरा : माननीय सभापति महोदय, माननीय विकल जी ने जो कहा है कि बद्रीनाथ और केदारनाथ पर यह हेलीकोप्टर क्यों नहीं उतारे जा सकते, तो बद्रीनाथ और केदारनाथ की जो ऊंचाइयां हैं, उन पर हेलीकोप्टरों को उतारना संभव नहीं हो सकता और उनकी केपे-

†The question was actually asked on the floor of the House by Shri Ram Chandra Vikal.

सिटी भी उतनी नहीं रहेगी। यह 10,200 फीट से अधिक की ऊंचाई पर बद्रीनाथ और केदारनाथ हैं, इसलिए यह संभव नहीं कि वहां उतारा जाये, अगर उतारा भी जाएगा तो पैसेंजर की संख्या, अगर 13 सिटिंग केपेसिटी है हैलीकोप्टर की, तो बामुश्किल दो जाएंगे और उन दो लोगों को जो फेयर देना होगा, वह करीब 10,000/-रुपए से अधिक का होगा, जब कि दूरी के अनुसार केवल 600/- रुपए फेयर ही लिया जाना चाहिए। इसलिए वहां के लिए इतना हाई-रिस्क नहीं लिया जा सकता।

श्री जगदम्बी प्रसाद यादव : सभापति महोदय, अमरनाथ पर जब श्रीमान् राष्ट्रपति जी गए थे तो हेलीकोप्टर वहां पर उतारा गया था और अमरनाथ की जो ऊंचाई है, वह बद्रीनाथ-केदारनाथ से अधिक है। अब बिना ट्रायल के आप अंदाज से जवाब दे रहे हैं। सरकारी जवाब अंदाज से नहीं होना चाहिए, जब तक ट्रायल न हो, पैसेंजर का ट्रायल वहां न कराया जाये ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : पहले विकल जी का सप्लीमेण्टरी तो आने दीजिए, आप बीच में आ गए। सप्लीमेण्टरी आने दो। जब ट्रायल होगा तो आपको बैठा देंगे उसमें।

श्री राम अवधेश सिंह : इसमें क्या टेक्नीकल कठिनाई है ?

श्री सभापति : आप लोग बीच में क्यों बोल रहे हैं। सप्लीमेंटरी आया नहीं और आप बीच में गड़बड़ी कर रहे हैं।

श्री राम चन्द्र विकल : सभापति महोदय, उन्होंने जो कठिनाई बताई है कि किराया ज्यादा देना पड़ेगा, पैसेंजर दो जाएंगे, यह मेरी समझ से बाहर है। हेलीकोप्टर में जितनी केपेसिटी होगी, उतने लोग जा सकते हैं, दूसरा यह किराए का है, तो जो जाएंगे तीर्थ-यात्रा करने, उनके लिए वह किराया सस्ता होगा कार के पेट्रोल के मुकाबले में। सभापति जी, हेलीकोप्टर बद्रीनाथ, केदारनाथ पहले जाते रहे हैं, तीर्थ के लिए नहीं, प्राइम-मिनिस्टर के दौरों पर जाते रहे हैं और डिफेन्स के जाते रहे हैं, यह बद्रीनाथ-केदारनाथ डिफेंस के हैलीकोप्टर जाते रहे हैं। तो शायद मंत्री जी अभी नए हैं, वे जानकारी करा लें, हेलीकोप्टर पहले वहां जाते रहे हैं और जा सकते हैं। किराए के बारे में तो यात्री लोग सोचेंगे। तो मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या वे इस बात पर सोचेंगे कि हेलीकोप्टर वहां जाय ?

श्री मोती लाल वोरा : माननीय सभापति महोदय, जैसा मैंने कहा कि बद्रीनाथ और केदारनाथ की जो ऊंचाई है वह 10,400 फीट और 11,700 फीट की है। डाफिन हेलीकोप्टर की जो पलीट है पवन हंस लिमिटेड की, यह इस ऑपरेशन के लिए सूटेबल नहीं है। वेस्टलेंड हेलीकोप्टर, जो दूसरे हैं, जिनकी केपेसिटी 17 की है, वह केवल 9 पैसेंजरों को गुप्त-काशी तक ले जा सकते हैं और जोशीमठ तक और उसके आगे ले जाने के लिए काफी कठिनाई आएगी। गुप्त-काशी से केदारनाथ हेलीकोप्टर में केवल दो लोगों को ले जाएंगे, उसमें भी हमको आक्सीजन की व्यवस्था करनी होगी और अगर आक्सीजन की व्यवस्था की तो फिर पैसेंजर हमें कम करने होंगे। इसलिए पैसेंजर की जीवन रक्षा के लिए उसका पूरी तरह से ध्यान रखने के लिए यह संभव नहीं है कि वहां पर इस ऊंचाई के ऊपर हेलीकोप्टरों को उतारा जा सके।

श्री राम चन्द्र विकल : आप जोशी-मठ तक पहुंचा दें वहां से बद्रीनाथ मुश्किल से 55 किलोमीटर है।

श्री मोती लाल वोरा : जोशी-मठ तक ही 9 पैसेंजर्स ले जा सकते हैं। ले जाए जा रहे हैं।

[**उपसभापति महोदया पीठासीन हुईं**]

THE DEPUTY CHAIRMAN: Question Hour is over.